वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 15 सितम्बर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

एआई समझ रहा हिन्दी, कर रहा संवाद एवं अनुवाद: प्रो. अविनाश

जनसंचार के विस्तार ने हिन्दी पत्रकारिता के लिये नये अवसर पैदा किये : प्रो . मनोज

गोष्ठी

डिजिटल युग में हिन्दी की पहुंच वैश्विक स्तर पर बढ़ी: डॉ. सुनील कुमार

तेजस ट्रूडे ब्यूरो
शुभांशू जायसवाल



जौनपुर। हिंदी दिवस पर सोमवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी भाषा की वर्तमान प्रासंगिकता तथा डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते प्रभाव को लेकर गोष्ठी हुई। गोष्ठी में प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी हिंदी भाषा को समझ रहा है और हिंदी में संवाद, अनुवाद, लेखन, आवाज की पहचान और जवाब देने में भी सक्षम है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, संवेदना और सामाजिक विविधता को जोड़ने वाली भाषा है। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने कहा कि जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। आज हिंदी का पाठक वर्ग केवल अखबार तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी को आम आदमी से जोड़ने में हिंदी बड़ी भूमिका निभा रही है। आज राष्ट्रीय शिक्षा निति के अंतर्गत विज्ञान कि बहुत सारी सामग्री हिंदी में तैयार हुई है। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का काम किया है लेकिन भाषा का विस्तार तभी सार्थक है जब उसके साथ पत्रकारिता की विश्वसनीयता, तथ्य-जांच और सामाजिक जिम्मेदारी भी मजबूत हो। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को हिंदी की समृद्ध शब्द-संपदा के साथ नई मीडिया तकनीकों में भी दक्ष होना होगा। गोष्ठी का संचालन जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तेजस

ट्रूडे

एजुकेशन लोन से आसान होगी उच्च शिक्षा की राह

◆ फामेर्सी संस्थान में जागरूकता कार्यशाला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फामेर्सी संस्थान में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध एजुकेशन लोन की सुविधाओं एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के उद्देश्य से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के सौजन्य से एजुकेशन लोन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया।



कार्यशाला में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन से संबंधित महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन के लिए आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया तथा शिक्षा के दौरान मिलने वाली वित्तीय सहायता के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया।

बैंक प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को लोन से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताओं और आवेदन प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक संसाधनों की कमी विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधा न बने, इसके लिए बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने एजुकेशन लोन से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका बैंक प्रतिनिधियों ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। इस संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया तथा ऋण सुविधा से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय विकल्पों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें अपनी आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक संसाधनों की समुचित जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

इस अवसर पर फामेर्सी संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शक्ति जायसवाल, श्री मिथिलेश चौरसिया सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संस्थान की ओर से प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रति विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय सुविधाओं के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

उत्तर शक्ति

नारायण का नाम लिखा तो उसका कल्याण हो गया। नारी शक्ति के विभिन्न रूपों का उल्लेख करते हुए

से आईं मानस कोकिला डॉ. सुधा पांडेय ने शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया।

एकता और पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम है। भारतीय को अपनी भाषा के विकास में योगदान देना चाहिए।

समरोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कवि प्रेम कुमार त्रिपाठी 'प्रेम' रहे। कवि अनुज तिवारी, डॉ. सपना

महत्व को रेखांकित किया। व्यवस्था डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हिंदी दिवस | **वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गोष्ठी का हुआ आयोजन, विविन्न संगठनों और स्कूलों में हुए कार्यक्रम**

'एआई समझ रहा हिंदी, कर रहा संवाद और अनुवाद'

जौनपुर, संवाददाता। हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय सहित स्कूल कालेजों में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मछलीशहर के एक कालेज में हिंदी में हस्ताक्षर करने वाले शिक्षकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। गोष्ठियों में हिंदी भाषा का महत्व बताया गया। बाल कवियों ने कविता पाठ किया। शहर में कलेक्ट्रेट के पास हिंदी के सम्मान में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर मुख्य चौराहे और प्रतिष्ठानों पर प्रदर्शन किया गया।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी भाषा की वर्तमान प्रासंगिकता तथा डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते प्रभाव को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाण्डेकर ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी



पीयू में हिंदी दिवस पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रो. मनोज मिश्रा।



हिंदी दिवस के मौके पर नगर के एक प्लाजा के साभागार में डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी के नेतृत्व में हिंदी में लिखे स्लोगन प्रदर्शित करते लोग।

हिंदी भाषा को समझ रहा है और हिंदी में संवाद, अनुवाद, लेखन, आवाज की पहचान और जवाब देने में भी सक्षम है। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने कहा कि जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। आज हिंदी का पाठक वर्ग केवल अखबार तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी को आम आदमी से जोड़ने में हिंदी बड़ी भूमिका निभा रही है। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का काम किया है। संचालन जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया।

हिंदी के विकास को आगे आए नई पीढ़ी : सिविल लाइन स्थित एक प्लाजा में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की नागरी लिपि परिषद के अध्यक्ष डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी ने कहा कि आज अगर किसी से पूछा जाए कि अंग्रेजी में कितने अक्षर होते हैं तो तुरंत जवाब आएगा 26, लेकिन अगर पूछा जाए कि हिंदी में कितने अक्षर होते हैं तो लोग दाएं-बाएं झांकने लगते हैं। वर्तमान में हिंदी की यही दशा है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को हिंदी के विकास के लिए आगे आना होगा। अध्यक्षता कर रहे प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव ने कहा कि हम सबको हिंदी का सही ज्ञान होना जरूरी है। इस दौरान हिंदी में स्लोगन लिखक प्रदर्शित किए गए। इस मौके पर शिवम सिंह, चंदन सिंह गोपाल, मोहम्मद शरीफ अंसारी, डॉ. श्रीराम यादव, नीरज सिंह, शैलेंद्र सिंह आदि रहे।

एजुकेशन लोन से आसान होगी उच्च शिक्षा की राह



दैनिक मान्यवर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध एजुकेशन लोन की सुविधाओं एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के उद्देश्य से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के सौजन्य से एजुकेशन लोन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन से संबंधित महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन के लिए आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया तथा शिक्षा के दौरान मिलने वाली वित्तीय सहायता के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। बैंक प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को लोन से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताओं और आवेदन प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक संसाधनों की कमी विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधा न बने, इसके लिए बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न वित्तीय सहायता उपलब्ध

फार्मेसी संस्थान में जागरूकता कार्यशाला

कराई जाती है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने एजुकेशन लोन से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका बैंक प्रतिनिधियों ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। इस संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया तथा ऋण सुविधा से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय विकल्पों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें अपनी आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक संसाधनों की समुचित जानकारी उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर फामेर्सी संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शक्ति जायसवाल, श्री मिथिलेश चौरसिया सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे। संस्थान की ओर से प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रति विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय सुविधाओं के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

दैनिक

एजुकेशन लोन से आसान होगी उच्च शिक्षा की राह



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध एजुकेशन लोन की सुविधाओं एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के उद्देश्य से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के सौजन्य से एजुकेशन लोन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन से संबंधित महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन के लिए आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया तथा शिक्षा के दौरान मिलने वाली वित्तीय सहायता के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने एजुकेशन लोन से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका बैंक प्रतिनिधियों ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। इस संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया तथा ऋण सुविधा से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। फार्मेसी संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शक्ति जायसवाल, मिथिलेश चौरसिया सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे। संस्थान की ओर से प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रति विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सुविधाओं के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया गया।



श्री गणपति पूजा महासमिति ट्रस्ट के निर्देशन में सोमवार से शहर द्वितीय श्री गणेश पूजनोत्सव की धूम शुरू। गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से विभिन्न पंडाल गुंजायमान।

जौनपुर

छात्रवृत्ति योजनाओं का समयबद्ध लाभ पहुंचाना प्राथमिकता

बोले जिलाधिकारी

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति योजना का सफल क्रियान्वयन विषयक कार्यशाला संपन्न

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं जिला समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सभागार में छात्रवृत्ति योजना का सफल क्रियान्वयन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सैम्युअल पाल एस. ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। शासन की मंशा है कि किसी भी पात्र छात्र-छात्रा को जानकारी के अभाव अथवा प्रक्रिय संबंधी कठिनाई के कारण योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस कार्य में विद्यार्थियों एवं संस्थानों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे प्रदेश में जौनपुर छात्रवृत्ति के वितरण में द्वितीय स्थान पर है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने स्वागत संबोधन में कहा कि छात्रवृत्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलने का सशक्त माध्यम हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचे। जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी सेंट्रे कुमार विश्वकर्मा ने छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में विभागों एवं शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी एवं महत्वपूर्ण तिथियों की विस्तृत जानकारी दी। फार्मेसी संस्थान के डॉ. नूरेन्द सिंह ने पूछे की चौपायी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को उनके शुल्क से कम ट्रीटमेंट क्यों होती है। इस पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सेंट्रे विश्वकर्मा ने कहा कि शासन द्वारा प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम शुल्क प्रतिपूर्ति की सीमा तय की गई है जिसमें अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रतिपूर्ति का लाभ दिया जा सके। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर हुआ। कार्यक्रम का संचालन सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नितेश जायसवाल ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी मोनाक्षी, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष तथा समाज के माध्यमिक एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिलाधिकारी श्री सैम्युअल पाल एस., जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी सेंट्रे कुमार विश्वकर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल एवं संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। अधिकारियों ने बताया कि आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिय निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा विद्यार्थियों के दस्तावेजों एवं विवरणों को सही रूप में पोर्टल पर दर्ज करने से छात्रवृत्ति वितरण में आने वाली अनावश्यक कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है। प्रभारी सह ने अधिकारियों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों के बीच उपजेये संवाद हुआ, जिससे छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक स्पष्टता बनी।



पुस्तिका में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते जिलाधिकारी

संक्षेप

विषधर के काटने से मासूम की मौत



बरसठी। थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव निवासी कुमार पटेल की छह वर्षीय पुत्री अंशिका पटेल को विषधर के काटने से मौत हो गई। दो दिन पहले ही अपने घर से संलग्न जायसीपुर, थाना रामपुर गई थी। तीखर मोर करीब छह बजे संलिप्तता में सोते समय विषधर ने उसे डंस लिया। जानकारी होते ही परिजनों ने उपचार के लिए सरायतिवार के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अंशिका दो भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटी थी।

दहेज हत्या के आरोपी पति समेत सास-ससुर गिरफ्तार

सुरक्षकला। जिला सुरक्षकला की डेहरी थाना निवासिनी विवाहिता शालिनी की संदिग्ध मौत के मामले में सरायतारा पुलिस ने सोमवार को पूर्वाह्न बड़ी कार्रवाई करते हुए पति सह ने ही पहिना हत्या के आरोपी पति प्रदीप कुमार, सास रमीला और ससुर रामलखन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सभी आरोपी डेहरी गांव के निवासी हैं। गौरतलब है कि बीते सात 20 जनवरी शालिनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मिसुख (मुजफ्फरपुर) निवासिनी मृतका की मां पुष्पादेवी देवी ने आरोप देकर आरोप लगाया था कि दी वर्ष पूर्व डेहरी निवासी प्रदीप के साथ हुई शादी के बाद से पहिना के लिए बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा था।

खोहदे से परेशान छात्रा ने दी जान, आरोपी गिरफ्तार

रतनपुर। जनपद रतनपुर थाना में सोमवार को एक छात्रवृद्धा की छात्र ने कथित रूप से पड़ोस के युवक की छेड़खानी और उत्पीड़न से परेशान होकर घर में फांसी लगा ली। परिजन उसे पंखे से उतारकर उपचार के लिए ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। थानाध्यक्ष कुलदीप पांडेय ने बताया कि मामले में मृतका के पिता अमृतलाल चौहान की तहरीर पर आरोपी दीपक चौहान पुत्र भाला चौहान, निवासी [illegible] के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी युवक को

जनसंदेश

आज
जौनपुर
वाराणसी, १५ सितम्बर, २०२६

छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ हर पात्र विद्यार्थी तक समयबद्ध पहुंचाना प्राथमिकता - जिलाधिकारी

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'छात्रवृत्ति योजना का सफल क्रियान्वयन' विषयक कार्यशाला संपन्न

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर एवं जिला समाज कल्याण विभाग, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सभागार में 'छात्रवृत्ति योजना का सफल क्रियान्वयन' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मैसूजल पाल एन. ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। शासन की मंशा है कि किसी भी पात्र छात्र-छात्रा को जानकारी के अभाव अथवा प्रक्रिया संबंधी कठिनाई के कारण योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस कार्य में विद्यार्थियों एवं संस्थानों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि पूरे प्रदेश में जौनपुर छात्रवृत्ति के वितरण में द्वितीय स्थान पर है। अधिकाधिक छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार पाठक ने स्वागत संबोधन में कहा कि छात्रवृत्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलने का सशक्त माध्यम हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचे। उन्होंने प्रत्येक शिक्षण संस्थान में "छात्रवृत्ति पटल" स्थापित किए जाने का सुझाव दिया, ताकि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से संबंधित सभी जानकारियां एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम बने। जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में विभागों एवं शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पात्र विद्यार्थियों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के साथ-साथ आवेदन एवं सत्यापन प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना आवश्यक है। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी एवं महत्वपूर्ण तिथियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रवृत्ति योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समाधान करते हुए पात्र विद्यार्थियों को समय से योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्यगण, प्रबंधकगण एवं कर्मचारियों के द्वारा छात्रवृत्ति से संबंधित विभिन्न प्रश्न भी उठाए गए, जिनका समाज कल्याण अधिकारी ने समाधान प्रस्तुत किया। कार्यशाला संस्थान के डॉ. राकेश सिंह ने मुख्य की भी कार्य चतुरकाम के विद्यार्थियों को उनके शुल्क से कम प्रतिपूर्ति क्यों होती है? इस पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि शासन द्वारा प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम शुल्क प्रतिपूर्ति की सीमा तय की गई है जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रतिपूर्ति का लाभ दिया जा सके। एक प्रतिभागी ने पूछा कि जिन छात्रों के माता-पिता नहीं हैं वह किसका है आय प्रमाण पत्र लगाएंगे? इस पर जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि ऐसी स्थिति में छात्र अभिभावक का आय प्रमाण पत्र लगेगा। कई प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और पूर्णांक से संबंधित प्रश्नों को पूछा। इसके उत्तर में जिला प्रशासन ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा भरे जाने वाला ऑनलाइन और पूर्णांक तथा विश्वविद्यालय द्वारा भरा जाने वाला ऑनलाइन एवं पूर्णांक समान होना चाहिए अन्यथा छात्रवृत्ति में समस्या आएगी। कार्यक्रम



का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर हुआ। कार्यक्रम का संचालन सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. विनोद सरयूसवार ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सीमाशी, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष तथा जनपद के महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एआई समझ रहा हिंदी, कर रहा संवाद और अनुवाद - प्रो. अविनाश

जसंवंश के विस्तार में हिंदी राजनीति के लिए बने अवसर पैदा किये - प्रो. मनोज सिंह

हिंदी दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

सरायख्वाजा। हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी भाषा की वर्तमान प्रासंगिकता तथा डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते प्रभाव को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रबंध अध्यक्ष संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश चतुर्वेदीकर ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी हिंदी भाषा को समझ रही है और हिंदी में संवाद, अनुवाद, लेखन, आंकड़ा की पहचान और जवाब देने में भी सक्षम है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, संवेदना और सामाजिक विविधता को जोड़ने वाली भाषा है।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज सिंह ने कहा कि जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। अब हिंदी का पाठक वर्ग केवल अखबार तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। विज्ञान संचार के अन्तर्गत प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी को आम लोगों से जोड़ने में हिंदी बड़ी भूमिका निभा रही है। आज ग्रामीण शिक्षा तिति के अंतर्गत विज्ञान कि बहुत सारी सामग्री हिंदी में तैयार हुई है। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि डिजिटल मीडिया ने हिंदी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हिंदी को



वैश्विक मंच तक पहुंचाने का काम किया है। लेकिन भाषा का विस्तार तभी सार्थक है जब उसके साथ पत्रकारिता की विश्वसनीयता, तथ्य-जांच और सामाजिक जिम्मेदारी भी मजबूत हो। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को हिंदी को समृद्ध शब्द-संपदा के साथ नई मीडिया तकनीकों में भी दक्ष होना होगा। कार्यक्रम विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया, इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी

सिकरारा। स्थानीय थाना क्षेत्र के जौनपुर-प्रयागराज मार्ग पर सोमवार की सुबह बगुहा पुल के विद्युतपुर पुलपुजा के समीप जौनपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराने के बाद गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष देवब्रतपुर सिंह की देखरेख में पुलिस ने दोनों घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजवाया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दुर्घटनास्थल कार को कब्जे में लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। सही तेज रफ्तार के कारण चालक के अनियंत्रित होने की आशंका जताई जा रही है।

आज

एआई समझ रहा हिंदी, कर रहा संवाद व अनुवाद

हिंदी दिवस पर गोष्ठी

जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए : प्रो. मनोज मिश्रा

डिजिटल युग में हिंदी की पहुंच वैश्विक स्तर पर बढ़ी : डॉ. सुनील कुमार



गोष्ठी को सम्बोधित करते प्रो. मनोज मिश्रा

जौनपुर। हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी भाषा की वर्तमान प्रासंगिकता तथा डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते प्रभाव को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी हिंदी भाषा को समझ रहा है और हिंदी में संवाद, अनुवाद, लेखन, आवाज की पहचान और जवाब देने में भी सक्षम है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, संवेदना और सामाजिक विविधता को जोड़ने वाली भाषा है। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने कहा कि जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। आज हिंदी का पाठक वर्ग केवल अखबार तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी को आम आदमी से जोड़ने में हिंदी बड़ी भूमिका निभा रही है. आज राष्ट्रीय शिक्षा निति के अंतर्गत विज्ञान कि बहुत सारी सामग्री हिंदी में तैयार हुई है। प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का काम किया है। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया. इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आसमान की बेटी ने

मड़ियाहूं। मड़ि सामिया ने 300 पूरी कर पायलट हासिल किया है महिला पायलट उपलब्धि से परि और क्षेत्र के लो साथ हवाई यात्रा उड़ाने का सपन मेहनत करती रा पूरी की। इसके के लिए उनका की फ्लाइंग ट्रेनि नियमित अभ्यास की। नगर पंचाय का श्रेय पिता क

सीओ परमा

मीरगंज। क्षेत्राधि औचक निरीक्षण देर के लिए हड़ सुरक्षा व्यवस्था डेस्क और कंप्यू रजिस्टर, त्यौहा निर्देश दिए। पुलि साथ शालीनता ग्रामीण क्षेत्रों में फैलाने वाले शर

14 / 16

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, मंगलवार, 15 सितम्बर, 2026

जनसंदेश

टाइम्स

एक नजर में

एमएड पाठ्यक्रम सत्र में प्रवेश को काउंसिलिंग 16 को

मल्हनी : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एमएड पाठ्यक्रम सत्र 2026-28 में प्रवेश के लिए द्वितीय व तृतीय काउंसिलिंग 16 सितंबर को होगी। विवि की ओर से 14 सितंबर को जारी संशोधित सूचना के अनुसार प्रथम काउंसिलिंग के बाद रिक्त सीटों पर यह काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। काउंसिलिंग विवि परिसर स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वेश्वरैया हाल में सुबह 10 :30 बजे से होगी। (जासं)

मातृभाषा ही नहीं, भारत की सांस्कृतिक चेतना व हमारी पहचान बन गई है हिंदी

- पूर्वांचल विश्वविद्यालय महाविद्यालयों व विद्यालयों में मनाया गया हिंदी दिवस
- रोजगार के अवसरों और दैनिक व्यवहार में हिंदी के प्रयोग पर दिया गया विशेष बल



पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में बोलते प्रो. अविनाश ● जागरण

जागरण संवाददाता, जौनपुर : मातृभाषा हिंदी केवल हमारे संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक चेतना, संवेदना और सामाजिक विविधता को जोड़ने वाली मुख्य कड़ी है। डिजिटल क्रांति और एआई के दौर में हिंदी का वैश्विक प्रभाव और रोजगार के अवसर अभूतपूर्व रूप से बढ़े हैं। सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर जनपद के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में संगोष्ठियों, विचार गोष्ठियों और कवि सम्मेलनों का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने हिंदी के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार व पत्रकारिता विभाग में 'हिंदी भाषा की वर्तमान प्रासंगिकता और डिजिटल युग' विषय पर आयोजित गोष्ठी में प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि एआई अब हिंदी में संवाद, अनुवाद और लेखन करने में सक्षम है। यह तकनीक भाषा के विस्तार को नई दिशा दे रही है। जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने रेखांकित किया कि डिजिटल मंचों ने हिंदी पत्रकारिता का दायरा अखबारों से बढ़ाकर वैश्विक बना दिया है। विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत विज्ञान की अध्ययन सामग्री हिंदी में तैयार कर इसे जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

असिस्टेंट प्रोफेसर डा. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल मीडिया में विस्तार के साथ-साथ पत्रकारिता की विश्वसनीयता और तथ्य-जांच का ध्यान रखना भी जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन डा. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय सिंगरामऊ में हिंदी विभाग के तत्वावधान में 'हिंदीः भाषा और रोजगार' विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में प्रो. जयकुमार मिश्रा, डा. राजेश कुमार सिंह और डा. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि कंटेंट लेखन, डिजिटल मीडिया, अनुवाद और पत्रकारिता के क्षेत्र में हिंदी असीमित अवसर प्रदान कर रही है।

अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार सिंह ने भाषा को व्यावहारिक व रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। संचालन डा. अजय कुमार दुबे ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डा. रवीन्द्र कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया।

सुजानगंज के रघुवीर स्वायत्तशासी महाविद्यालय, थलोई में भव्य बाल कवि सम्मेलन एवं कवि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रेम कुमार त्रिपाठी 'प्रेम' ने हिंदी को विश्व पटल पर गौरव दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर डॉ. प्रेमशंकर द्विवेदी 'भास्कर' द्वारा रचित उपन्यास 'अधजला दीप' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में बाल कवियों एकता, साक्षी, कोमल सहित वरिष्ठ कवियों अनुज तिवारी, डा. सपना मिश्रा और कंचुकी ने अपनी काव्य रचनाओं से समां बांधा। अध्यक्षता निदेशक डा. विनय कुमार त्रिपाठी ने की तथा संचालन कवि राजेंद्र प्रसाद पांडेय 'गड़बड़' ने किया।

इसी क्रम में सर्वोदय इंटर कालेज खुदौली खेतासराय में कैप्टन राजेश कुमार यादव, प्रभात कुमार पांडेय और संतोष कुमार त्रिपाठी ने साहित्यिक प्रस्तुतियां दीं। अखिलेन्द्र उपाध्याय ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण का उल्लेख करते हुए हिंदी के गौरव को रेखांकित किया। वहीं फौजदार इंटर कालेज, मछलीशहर में प्रधानाचार्य राजेश दुबे और कपूर चंद्र यादव ने दैनिक कार्य व हस्ताक्षर हिंदी में करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में हिंदी (देवनागरी) में हस्ताक्षर करने वाले 22 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

शिक्षा ऋण से आसान होगी राह

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में सोमवार को विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण की सुविधा दिए जाने के संबंध में जागरुकता कार्यशाला आयोजित की गई। यूनियन बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में बैंक प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी।

मुख्य शाखा के प्रशांत ओझा और उनकी टीम ने विद्यार्थियों को ऋण के लिए पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज, ऋण स्वीकृति और पढ़ाई के दौरान मिलने वाली वित्तीय सहायता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए बैंक की ओर से शिक्षा ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। बैंक प्रतिनिधियों ने ऋण से जुड़ी औपचारिकताओं को सरल भाषा में समझाया और आवेदन के दौरान ध्यान रखने वाली बातों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने इससे जुड़े सवाल पूछे, जिनका बैंक अधिकारियों ने जवाब दिया।

इस अवसर पर फार्मेसी संस्थान के विभागाध्यक्ष डा. नृपेंद्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डा. सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. शक्ति जायसवाल, मिथिलेश चौरसिया आदि मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति का लाभ हर पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना प्राथमिकता : डीएम

- पीयू में छात्रवृत्ति योजना के सफल क्रियान्वयन पर कार्यशाला
- आवेदन व सत्यापन प्रक्रिया समय से पूरा करने पर जोर



पूर्वांचल विवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते डीएम सैमुअल पाल एन।

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं जिला समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को आर्यभट्ट सभागार में 'छात्रवृत्ति योजना का सफल क्रियान्वयन' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी पात्र छात्र-छात्रा को जानकारी के अभाव अथवा प्रक्रिया संबंधी कठिनाई के कारण योजना के लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए।उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति वितरण में जौनपुर पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है।

जिलाधिकारी ने शिक्षण संस्थानों से छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और संस्थानों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि आवेदन, सत्यापन और अन्य प्रक्रियाएं निर्धारित समय में पूरी हो सकें। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग सुगम बनाने का प्रभावी माध्यम है।

जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने विभागों और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, समय-सारिणी और महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी दी। महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्रबंधक और कर्मचारियों ने छात्रवृत्ति से जुड़े प्रश्न उठाए, जिनका अधिकारियों ने समाधान बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। संचालन सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. नितेश जायसवाल ने किया।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, विश्वविद्यालय के अधिकारी, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य और छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी रहे।



डिजिटल युग में वैश्विक हुई हिंदी, एआई भी कर रहा संवाद और अनुवाद

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी दिवस पर ह्यडिजिटल युग में हिंदी का प्रभावह्ल विषयक गोष्ठी आयोजित की गई। प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब हिंदी को समझ रही है तथा संवाद, अनुवाद और लेखन में सक्षम है। विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने बताया कि जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर खोले हैं और आज पाठक वर्ग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विज्ञान की सामग्री हिंदी में तैयार हो रही है, जिससे तकनीकी को आम जन से जोड़ने में मदद मिल रही है। वहीं, डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी को वैश्विक मंच दिया है, बशर्ते पत्रकारिता में विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी बनी रहे। इस दौरान डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया तथा विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमृत

प्रभात

एआई समझ रहा हिंदी, कर रहा संवाद और अनुवाद : प्रो. अविनाश

जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए : प्रो. मनोज मिश्रा

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी भाषा की वर्तमान प्रासंगिकता तथा डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते प्रभाव को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी हिंदी भाषा को समझ रहा है और हिंदी में संवाद, अनुवाद, लेखन, आवाज की पहचान और जवाब देने में भी सक्षम है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, संवेदना और सामाजिक विविधता को जोड़ने वाली भाषा है। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने कहा कि जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। आज हिंदी का पाठक वर्ग केवल



अखबार तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी को आम आदमी से जोड़ने में हिंदी बड़ी भूमिका निभा रही है. आज राष्ट्रीय शिक्षा निति के अंतर्गत विज्ञान कि बहुत सारी सामग्री हिंदी में तैयार हुई है। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का काम किया है। लेकिन भाषा का विस्तार तभी सार्थक है जब उसके साथ पत्रकारिता की विश्वसनीयता, तथ्य-जांच और सामाजिक जिम्मेदारी भी मजबूत हो। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को हिंदी की समृद्ध शब्द-संपदा के साथ नई मीडिया तकनीकों में भी दक्ष होना होगा। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया. इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आइडियल
इंडिया न्यज

एआई भी हिंदी को समझकर कर रहा संवाद और अनुवाद : प्रो. अविनाश

हिंदी दिवस पर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में गोष्ठी

जौनपुर धारा

जौनपुर। हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी की वर्तमान प्रासंगिकता और डिजिटल दौर में उसके बढ़ते प्रभाव पर गोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं ने कहा कि तकनीक के विस्तार के साथ हिंदी के प्रयोग के नए क्षेत्र खुले हैं, वहीं पत्रकारिता में भाषा की विश्वसनीयता और तथ्यपरकता बनाए रखना भी जरूरी है।

प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब हिंदी को समझने के साथ इसमें संवाद, अनुवाद और लेखन करने में सक्षम हो रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक विविधता को जोड़ने वाली भाषा भी है।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने कहा कि जनसंचार के विस्तार से हिंदी पत्रकारिता के सामने संभावनाओं के नए क्षेत्र खुले हैं। हिंदी का पाठक वर्ग अब समाचार पत्रों तक सीमित नहीं है,



बल्कि मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में सक्रिय है। विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी विषयों को आम लोगों तक पहुंचाने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विज्ञान से संबंधित कई सामग्री हिंदी में उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे जटिल विषयों को आम विद्यार्थियों तक पहुंचाने में मदद मिल रही है।

जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी के प्रसार को व्यापक बनाया है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक मंच तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भाषा के विस्तार के साथ पत्रकारिता की विश्वसनीयता, तथ्य-जांच और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी जोर देना होगा। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को भाषा की समझ के साथ नई मीडिया तकनीकों में दक्ष होना आवश्यक है। सहायक प्रोफेसर डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया। गोष्ठी में विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

सोमवार को मिशन शक्ति टीम की काउंसलिंग के बाद पति-पत्नी के बीच चल रहा वैवाहिक विवाद आपसी सहमति से सुलझ गया। दोनों पक्षों ने अपने मतभेद समाप्त करते हुए समझौता कर लिया।

पुलिस के अनुसार रामपुर सबाई गांव निवासी निशा और उनके पति रंजीत कुमार के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर दोनों को मिशन शक्ति केंद्र बुलाया गया। टीम ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद काउंसलिंग की और आपसी संवाद के जरिए विवाद सुलझाने का प्रयास किया। काउंसलिंग के बाद पति-पत्नी ने स्वेच्छा से आपसी सहमति जताते हुए समझौता कर लिया। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच विवाद समाप्त हो गया है। काउंसलिंग टीम में उपनिरीक्षक जय प्रकाश प्रसाद, महिला कांस्टेबल डॉली वर्मा और महिला कांस्टेबल सोनाली देवी शामिल रहीं।

एजुकेशन लोन से आसान होगी उच्च शिक्षा की राह

फार्मेसी संस्थान में विद्यार्थियों को आवेदन और ऋण प्रक्रिया की दी गई जानकारी

जौनपुर धारा

जौनपुर। उच्च शिक्षा में आर्थिक संसाधनों की कमी विद्यार्थियों के लिए बाधा न बने, इसके लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में सोमवार को एजुकेशन लोन जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा, जौनपुर के सहयोग से हुई कार्यशाला में विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेजों के बारे में जानकारी दी गई।



बैंक के प्रशांत ओझा और उनकी टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि एजुकेशन लोन के लिए आवेदन से लेकर ऋण स्वीकृति तक किन प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। उन्होंने आवश्यक दस्तावेज, ऋण संबंधी औपचारिकताओं और पढ़ाई के दौरान मिलने वाली वित्तीय सहायता से जुड़े विभिन्न पहलुओं को भी समझाया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण से संबंधित सवाल पूछे। बैंक प्रतिनिधियों ने उनके प्रश्नों का जवाब देते हुए आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय विकल्पों की जानकारी हासिल हुई। कार्यक्रम में फार्मेसी संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शक्ति जायसवाल और मिथिलेश चौरसिया समेत शिक्षक मौजूद रहे।

पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाना प्राथमिकता : डीएम

पीयू में कार्यशाला में आवेदन, सत्यापन और योजनाओं के क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

जौनपुर धारा

जौनपुर। छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ किसी पात्र विद्यार्थी को जानकारी या आवेदन प्रक्रिया की जटिलता के कारण न मिले, इसके लिए शिक्षण संस्थानों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिला प्रशासन पात्र विद्यार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में संस्थानों को हरसंभव सहयोग करेगा। यह बात जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने सोमवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित कार्यशाला में कही।



विश्वविद्यालय और जिला समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'छात्रवृत्ति योजना का सफल क्रियान्वयन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, प्रबंधक और छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी शामिल हुए। डीएम ने बताया कि छात्रवृत्ति वितरण के मामले में जौनपुर पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने आवेदन प्रक्रिया में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने और निर्धारित समय में औपचारिकताएं पूरी कराने पर जोर दिया। अभिष्टाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति उच्च शिक्षा जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों में अलग 'छात्रवृत्ति पटल' स्थापित करने का सुझाव दिया, ताकि विद्यार्थियों को पात्रता, आवेदन और अन्य जरूरी जानकारी एक ही स्थान पर मिल सके। जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने आवेदन और सत्यापन की प्रक्रिया समयसीमा में पूरी करने के लिए विभाग और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, समय-सारिणी और महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्रबंधकों और कर्मचारियों ने छात्रवृत्ति से जुड़ी समस्याएं और सवाल रखे। संबंधित अधिकारियों ने उनके समाधान की जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। संचालन सहायक अभिष्टाता छात्र कल्याण डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, विश्वविद्यालय के अधिकारी, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष तथा माध्यमिक एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ हर पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना प्राथमिकता : जिलाधिकारी

-रणतूर्य संवाददाता जौनपुर : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर एवं जिला समाज कल्याण विभाग, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में आर्यभट्ट सभागार में छात्रवृत्ति योजना का क्रियान्वयन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। शासन की मंशा है कि किसी भी पात्र छात्र-छात्रा को जानकारी के अभाव अथवा प्रक्रिया संबंधी कठिनाई के कारण योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस कार्य में विद्यार्थियों एवं संस्थानों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। जिला अधिकारी ने कहा कि पूरे प्रदेश में जौनपुर छात्रवृत्ति के वितरण में द्वितीय स्थान पर है ।अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद



कुमार यादव ने स्वागत संबोधन में कहा कि छात्रवृत्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलने का सशक्त माध्यम हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचे। उन्होंने प्रत्येक शिक्षण संस्थान में ह्यछात्रवृत्ति पटलह्न स्थापित किए जाने का सुझाव दिया, ताकि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से संबंधित सभी जानकारियां एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम बने।

जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में विभागों एवं शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पात्र विद्यार्थियों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के साथ-साथ आवेदन एवं सत्यापन प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना आवश्यक है।जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी एवं महत्वपूर्ण तिथियों की विस्तृत जानकारी दी।कार्यशाला का उद्देश्य छात्रवृत्ति योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समाधान करते हुए पात्र विद्यार्थियों को समय से योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा।इस दौरान विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्यगण, प्रबंधकगण एवं कर्मचारियों के द्वारा छात्रवृत्ति से संबंधित विभिन्न प्रश्न भी उठाए गए, जिनका समाज कल्याण अधिकारी ने समाधान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर हुआ। संचालन सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष तथा जनपद के माध्यमिक एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

रणतूर्य

PURVANCHAL UNIVERSITY STUDENTS EXCEL IN JOINT CSIR-UGC NET EXAMINATION

Students and young researchers of Veer Bahadur Singh Purvanchal University (VBSPU), Jaunpur, have achieved notable success in the Joint CSIR-UGC NET (June 2026) examination, with six candidates securing ranks in JRF and NET categories. Sonal Shukla, M.Sc. Geology student, secured All-India Rank 2 in UGC-JRF in Earth and Planetary Sciences, while Ananya Pandey, also an M.Sc. Geology student, secured 29th rank. In Chemistry, Suraj Prajapati, M.Sc. Chemistry alumnus and researcher under the DST-PURSE project at the Centre for Nanoscience and Technology, secured 79th rank in CSIR-JRF. In Physics, Praveen Kumar Prajapati, an M.Sc. Physics alumnus, secured 118th rank in NET. In Mathematical Sciences, Pradum Kumar Sharma, M.Sc. Mathematics student, secured 122nd rank in CSIR-JRF, while Anant Chaudhary secured 106th rank in NET. Congratulating the successful candidates, Vice-Chancellor Prof. R.K. Singh said the achievement reflects the university's strengthening research culture, quality teaching, modern research facilities and academic guidance.

इंडियन

एक्सप्रेस